Aarti Kunaj Bihari Ki

मैं आरती तेरी गाऊं ओ केशव कुंज बिहारी

मैं आरती तेरी गाऊं ओ केशव कुंज बिहारी

मैं नित नित शीश नवाऊं ओ मोहन कृष्ण मुरारी

मैं नित नित शीश नवाऊं ओ मोहन कृष्ण मुरारी

है तेरी छबी अनोखी ऐसी ना दूजी देखी है

तेरी छबी अनोखी ऐसी ना दूजी देखी

तुझसा ना सुन्दर कोई ओ मौर मुकुट धारी

तुझसा ना सुन्दर कोई ओ मौर मुकुट धारी

मैं आरती तेरी गाऊं ओ केशव कुंज बिहारी

जो आये सरण तिहारे बिपदा मिट जाये सारी

जो आये सरण तिहारे बिपदा मिट जाये सारी

हम सबपर कृपा रखना ओ जगत के पालन हारे

हम सबपर कृपा रखना ओ जगत के पालन हारे

मैं आरती तेरी गाऊं ओ केशव कुंज बिहारी

Source: https://sociallover.net/kunj-bihari-ji-ki-aarti/